केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

13 जनवरी 2026
मंगलवार

आपकी आवाज

जोकही में नवविवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, पति सहित तीन पर हत्या का आरोप

2

एक नजर

जस्टिस सुजॉय पॉल होंगे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस सुजॉय पॉल को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम की बैठक 9 जनवरी को हुई, जिसका नेतृत्व मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने किया। बैठक में जस्टिस सुजॉय पॉल की नियुक्ति पर चर्चा के बाद यह सिफारिश की गई। जस्टिस सुजॉय पॉल वर्तमान में कलकत्ता हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में तैनात हैं। उनके मूल उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश में स्थित है। उनके न्यायिक अनुभव और कार्यक्षमता को देखते हुए यह नियुक्ति की सिफारिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा की गई यह सिफारिश अब राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी। यदि नियुक्ति को मंजूरी मिलती है, तो जस्टिस सुजॉय पॉल कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है, जहां उनके एमआरआई समेत अन्य परीक्षण किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को धनखड़ को ह्यवॉशरूमह्व में दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा। इसके बाद सोमवार को वह नियमित जांच के लिए एम्स पहुंचे थे, लेकिन डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें भर्ती होने की सलाह दी। यह पहली बार नहीं है जब पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को इस तरह की समस्या हुई है। इससे पहले भी उपराष्ट्रपति रहते हुए सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान वह कच्छ, उत्तराखंड, केरल और राष्ट्रीय राजधानी में कई बार अचानक बेहोश हो चुके हैं। बता दें कि पिछले साल 21 जुलाई को उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था।

पश्चिम बंगाल : चुनाव आयोग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

- मतदाता सूची विवाद पर टीएमसी के आरोपों के बाद मांगा जवाब
- मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण को लेकर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां ओर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। वहीं अब इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्ती दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर दायर नई याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। ये याचिकाएं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन ने दाखिल की हैं। टीएमसी सांसदों का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में चल रही वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया में मनमानी और नियमों की अनदेखी की जा रही है। ऐसे में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग को एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग अपने निर्देश व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दे रहा है। बीएलओ बिना किसी लिखित आदेश के काम कर रहे हैं, जो पूरी प्रक्रिया को सवालों के घेरे में लाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग ने तार्किक विसंगति नाम से मतदाताओं की एक नई श्रेणी बना दी है, जिसके आधार पर लाखों लोगों को नोटिस भेजे जा रहे हैं और सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है, जबकि इसका कोई लिखित नियम या आदेश नहीं है।

कितने नाम हटाने का दावा

वहीं याचिका में कहा गया है कि 16 दिसंबर 2025 को प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 58 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम बिना नोटिस हटाए गए। इसके अलावा करीब 1.36 करोड़ मतदाताओं को कथित तौर पर नोटिस देने की तैयारी की गई, जो पूरी तरह अव्यवस्थित और गैरकानूनी है।

दावा- आम लोगों को हो रही परेशानी

इसके साथ ही याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और बीमार लोगों को जबरन सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है। लंबी कतारें, दस्तावेजों को लेकर भ्रम और नोटिस में साफ कारण नहीं बताया जा रहा। राजनीतिक दलों के बूथ एजेंटों को भी मतदाताओं की मदद से रोका जा रहा है

राष्ट्रमंडल देशों के कॉन्फ्रेंस ऑफ स्पीकर्स में शामिल नहीं होंगे पाकिस्तान, बांग्लादेश

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) 2026 का 28वां सम्मेलन 14 से 16 जनवरी तक दिल्ली में आयोजित हो रहा है। इसमें राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्ष, पीठासीन अधिकारी और प्रतिनिधि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, नई तकनीकों और संसदीय प्रक्रियाओं को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन का आयोजन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। लोकसभा स्पीकर बिरला ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत की मेजबानी में आयोजित हो रहे इस 28वें सम्मेलन के पहले दिन यानी 14 जनवरी को सीएसपीओसी की कार्यकारी परिषद की बैठक होगी। दूसरे दिन, 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन के ऐतिहासिक संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। क्या इस सम्मेलन में पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भाग लेंगे? इस सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि सम्मेलन में पाकिस्तान की भागीदारी नहीं रहेगी। जबकि बांग्लादेश में संसद भंग होने की वजह से उसकी सहभागिता नहीं पाएगी। स्पीकर बिरला ने कहा कि इनके अलावा सम्मेलन में कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया समेत कई राष्ट्रमंडल देशों की भागीदारी रहेगी।

विकास की दिशा तय करने में युवाओं की सीधी भागीदारी

भारत के युवाओं का मिजाज सृजनात्मकता और ऊर्जा से भरा : प्रधानमंत्री मोदी

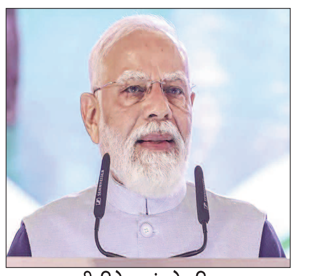

- स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिये प्रेरणा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत का जेन जी सृजनात्मकता और ऊर्जा से भरा हुआ है और उसे जोखिम लेने से पीछे नहीं हटना चाहिये क्योंकि सरकार को उसके सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के समापन समारोह में देश-विदेश से आए युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बहुत कम समय में यह संवाद इतना बड़ा मंच बन गया है। जहां देश के विकास की दिशा तय करने में युवाओं की सीधी भागीदारी होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत का जेन जी सृजनात्मकता और ऊर्जा से भरा है और उसे जोखिम लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को उनके सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है।

जेन-जी का मिजाज सृजनात्मकता

पीएम ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों में थिंकटैंक शब्द प्रचलित है। इसकी चर्चा होती है और इसका प्रभाव भी बहुत होता है। मैंने आज जो प्रेजेंटेशन देखें और जिस तरह से कड़ी प्रतिस्पधाओं के बाद आप यहां तक आए हैं, इसने दुनिया में अनोखे थिंकटैंक के रूप में जगह बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिन विषयों पर आपने चर्चा की है खासकर महिला नीति विकास और लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी जैसे गंभीर विचारों पर प्रस्तुति प्रशंसनीय है। यह दिखाता है कि भारत में जेन जी का मिजाज क्या है ।भारत का जेन जी कितनी सृजनात्मकता से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है और राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ जीने के लिये उनका जीवन प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिये प्रेरणा हैं। हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है, कैसे हम राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ अपना जीवन जियें। इस दिशा में स्वामी विवकानंद का जीवन हमारे लिये प्रेरक है ।उनका स्मरण करते हुए हम हर साल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हैं और इस दिन को भी विकसित भारत युवा संवाद के लिये चुना गया है।

जेन-जी युवाओं के लिए असीम अवसर

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में उनकी सरकार ने स्टार्टअप और डिजिटल क्रांति के जरिये युवाओं के लिये असीम अवसर पैदा किये और इस दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा है इसलिये हमने पिछली सरकारों से अलग राह चुनी जिससे स्टार्टअप क्रांति ने गति पकड़ी। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी पहल की गई। ऐसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ सरकार की चलती थी, उन्हें युवा उद्यमियों के लिये खोला गया। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद भारत के युवाओं को नेतृत्व के लिये तैयार करने का राष्ट्रीय मंच है। नौ से 12 जनवरी तक भारत मंडपम में आयोजित इस संवाद में विभिन्न स्तर पर देश भर के 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया । राष्ट्रीय डिजिटल क्विज, निबंध लेखन और प्रदेश स्तरीय विजन प्रेजेंटेशन समेत तीन स्तर की चयन प्रक्रिया के बाद तीन हजार युवा यहां पहुंचे

दिल्ली-एनसीआर में ठंड, बर्फीली हवाएं और बारिश का संगम

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर भारत समेत दिल्ली-एनसीआर में सर्दी इन दिनों पूरे रंग में नजर आ रही है। सोमवार की शुरूआत ही कंपकंपा देने वाली ठंड के साथ हुई। हवा में घुली बफीर्ली ठंडक ने सुबह को और ज्यादा सख्त बना दिया, जहां ठिठुरन ने लोगों को देर तक घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक फिसल गया, जबकि कई इलाकों में पारा 5 डिग्री से भी नीचे जा पहुंचा। घना कोहरा, ठंडी हवाएं और शीतलहर ने मिलकर सोमवार सुबह की रफ्तार थाम ली। सड़कें धुंध में लिपटी रही और लोग घरों से निकलते वक्त खुद को ऊनी परतों में लपेटते दिखे। जैकेट, टोपी और दस्तानों के बिना बाहर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं था। हालांकि जैसे-जैसे सूरज ऊपर चढ़ा, कोहरे की परत जरूर हल्की हुई, लेकिन सर्दी का असर दिन में भी बना रहा। मौसम का यह सख्त मिजाज अभी और इम्तिहान लेने वाला है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर का अनुमान है, ठंड की लहर और भीषण सर्दी का सिलसिला इस वीकेंड तक जारी रह सकता है। 16 और 17 जनवरी के आसपास हल्की राहत के संकेत जरूर हैं। एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी होने की संभावना है, जिससे पहाड़ों से आने वाली जमा देने वाली ठंडी हवाओं की तीव्रता कुछ कम पड़ेगी। नमी बढ़ने और हवा की गति घटने से ठंड की धार थोड़ी कुंद हो सकती है। हालांकि यह राहत ज्यादा देर टिकने वाली नहीं है। मौसम के शुरूआती संकेत बताते हैं कि अगले वीकेंड से हालात एक बार फिर बदल सकते हैं। 18 से 21 जनवरी 2026 के बीच दिल्ली में इस सर्दी की पहली अच्छी बारिश होने की संभावना बन रही है। अगर बादल बरसे, तो कड़ाके की ठंड के बीच यह बारिश मौसम की कहानी को एक नया मोड़ दे सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, ठंड का यह दौर अभी और सख्त हो सकता है।

जर्मनी ने दी बड़ी राहत, अब नहीं होगी ट्रांजिट वीजा की जरूरत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और जर्मनी ने अपने द्विपक्षीय संबंधों के नए अध्याय की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है। इसके तहत जर्मनी ने भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा-फ्री ट्रांजिट सुविधा की घोषणा की है। ऐसे में अब भारतीय यात्री जर्मनी के हवाई अड्डों से होकर किसी तीसरे देश की यात्रा करेंगे तो उन्हें अलग से ट्रांजिट वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रा आसान, तेज और कम कागजी कार्रवाई वाली हो जाएगी। सीधे शब्दों में कहें तो अब अगर कोई भारतीय यात्री जर्मनी के किसी एयरपोर्ट से होकर किसी अन्य देश जा रहा है, तो उसे ट्रांजिट वीजा के लिए आवेदन नहीं करना पड़ेगा।इससे यात्रियों का समय बचेगा और यात्रा ज्यादा सुविधाजनक होगी। इस फैसले की जानकारी सोमवार को जारी भारत-जर्मनी संयुक्त बयान में दी गई। यह बयान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत यात्रा के बाद जारी हुआ। मर्ज 12 से 13 जनवरी तक भारत दौरे पर रहे। यह उनकी भारत की पहली और संघीय चांसलर बनने के बाद एशिया की भी पहली यात्रा है।मामले में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि भारत और जर्मनी ने सिद्धांत रूप में तय किया है कि भारतीय नागरिकों को जर्मनी से अन्य देशों की यात्रा में अलग ट्रांजिट वीजा की जरूरत नहीं होगी। इससे यात्रियों को समय और सुविधाजनक यात्रा मिलेगी। मिश्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच उठाए गए इस कदम से भारतीय यात्रियों को विदेश यात्रा में आसानी होगी।

प्रस्ताविक कार्यों में बक्सर एमपी आगे, अब-तक विकास कार्यों पर 7.46 करोड़ खर्च

केटी न्यूज ।डुमरांव

18वीं लोकसभा के गठन को लगभग दो वित्तीय वर्ष पूरे होने वाले हैं। इस दौरान बक्सर संसदीय क्षेत्र में सड़क, अस्पताल, विद्यालय समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सांसद निधि (एमपीएलएडीएस) के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। क्षेत्र में विकास कार्यों को बहाल करने और जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से अब तक दो चरणों में कुल 5-5 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है, जिसे एमपीएलएडीएस फंड के माध्यम से खर्च किया जाना है। बक्सर सांसद द्वारा अबतक 7.46 करोड़ रुपया खर्च किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, एक सांसद को अपने पूरे पांच वर्षीय कार्यकाल में कुल 25 करोड़ रुपये की सांसद निधि प्राप्त होती है। इस निधि का उपयोग क्षेत्रीय विकास कार्यों के लिए किया जाता है, जिसमें सड़क निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सामुदायिक भवन और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होती हैं।

कहते है सांसद

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि सांसद निधि का उद्देश्य क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है। लोकसभा क्षेत्र में सुविधाएं मजबूत करना प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों के प्रस्ताव लगातार भेजे जा रहे हैं, ताकि स्वीकृति मिलते ही काम धरातल पर उतर सके। उनका कहना है कि जनता के हित से जुड़े कार्यों में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और उपलब्ध हर रुपये का पारदर्शी उपयोग किया जाएगा।

बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह द्वारा अब तक 7.46 करोड़ रुपये की राशि विभिन्न विकास कार्यों में खर्च की जा चुकी है। हालांकि, खर्च की गई राशि के साथ-साथ प्रस्तावित विकास कार्यों के मामले में भी सांसद सुधाकर सिंह बिहार के सभी सांसदों में अग्रणी बताए जा रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उन्होंने अब तक 12 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि के विकास कार्यों की अनुशंसा की है। यह राशि विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए संबंधित विभागों को भेजी गई है, ताकि स्वीकृति के बाद धरातल पर कार्य शुरू हो सके। सांसद निधि से प्रस्तावित कार्यों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण, अस्पतालों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण, पेयजल व्यवस्था, सामुदायिक भवन और अन्य जनहित से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र के समग्र विकास के साथ-साथ आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि प्रस्तावों की संख्या अधिक होने से यह संकेत मिलता है कि सांसद स्तर पर विकास कार्यों को लेकर सक्रियता दिखाई जा रही है। हालांकि, कई स्थानों पर लोग यह भी चाहते हैं कि प्रस्तावित योजनाओं को जल्द से जल्द स्वीकृति मिले और उनका क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से हो, ताकि क्षेत्र को वास्तविक लाभ मिल सके।

एक नजर

होल्डिंग टैक्स बना आक्रोश की चिंगारी, चौसा नपं पर जनता का सीधा हमला

चौसा। नगर पंचायत चौसा में होल्डिंग टैक्स की कथित अवैध वसूली और व्यापक भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। नगर पंचायत कार्यालय के समक्ष बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस विरोध प्रदर्शन ने नगर पंचायत प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व अभिमन्यु सिंह कुशवाहा ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शैलेश कुशवाहा ने संभाला। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि चौसा को वर्ष 2023 में नगर पंचायत का दर्जा मिला, लेकिन इसके बावजूद नगर पंचायत बोर्ड की पहली बैठक वर्ष 2025 में हुई। ऐसे में उससे पहले, यानी वर्ष 2021 से होल्डिंग टैक्स की वसूली कैसे और किस आधार पर की गई, यह समझ से परे है।

पहले सुविधा, फिर टैक्सकी उठी मांग : धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नगर पंचायत बने कई वर्ष बीत जाने के बावजूद चौसा में आज तक बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा सकीं। नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं है, सड़कें बदहाल हैं, जलनिकासी की समस्या जस की तस बनी हुई है और साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। ऐसे हालात में जनता से होल्डिंग टैक्स वसूलना सरासर अन्याय और जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक नगर पंचायत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं, तब तक किसी भी प्रकार का टैक्स लेना नैतिक और कानूनी दोनों दृष्टि से गलत है।

हर योजना में घोटाले का आरोप : धरना में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत चौसा में लगभग हर विकास योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितता और लूट मची हुई है। कई बार इस संबंध में संबंधित पदाधिकारियों को शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक न तो जांच हुई और न ही किसी दोषी पर कार्रवाई। इससे यह आशंका और गहरी हो गई है कि प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार को संरक्षण मिल रहा है।

उच्चस्तरीय जांच की मांग : प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि होल्डिंग टैक्स की अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए और नगर पंचायत में हुए सभी कार्यों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों और कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में जनता के साथ इस तरह का अन्याय न हो। धरना-प्रदर्शन में कृष्णकांत मिश्रा, छोटे लाल चौधरी, महेंद्र पांडेय, दुखी राम, सुमंत कुशवाहा, एनुल धोवी, विनय जायसवाल, उपेंद्र खरवार, मोनू चंद्रवंशी, राधेश्याम गोड़, मदन मालाकार, रविंद्र कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, वीरेंद्र डोम, जयप्रकाश, शिवजी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक रूप

जोकही में नवविवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, पति सहित तीन पर हत्या का आरोप

- **दो माह के मासूम को अनाथ कर गई घरेलू हिंसा की दरिंदगी**
- **गला दबाकर हत्या की आशंका, घर से फरार हुए आरोपी, एफएसएल जांच के बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा गया**

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जोकही गांव में घरेलू हिंसा ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। महज 22 वर्ष की नवविवाहिता कबूतरी देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। आरोप है कि पति ने गुस्से और विवाद के बाद पत्नी का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इस दर्दनाक घटना ने दो माह के मासूम बच्चे को मां की ममता से वंचित कर दिया है, जबकि ससुराल का घर घटना के बाद से सूना पड़ा है।

विवाह के डेढ़ साल बाद उजड़ा संसार

कबूतरी देवी की शादी डेढ़ वर्ष पहले पूरे रीति-रिवाज से जोकही गांव निवासी गुप्तेश्वर राजभर के पुत्र उपेंद्र राजभर से हुई थी। कबूतरी उत्तर प्रदेश के गहमर निवासी भीम राजभर की बेटी थी। परिजनों के मुताबिक, शादी के लगभग एक साल बाद उसने एक बच्चे को जन्म दिया। परिवार को उम्मीद थी कि नन्हे मेहमान के आने से रिश्तों में मिठास बढ़ेगी, लेकिन हालात इसके उलट हो गए।

विवाद से मौत तक की आशंका : परिजनों का कहना है कि किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान उपेंद्र राजभर ने पत्नी का गला दबाकर उसकी जान ले ली। घटना की भनक लगते ही मायके पक्ष ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन घर के सभी सदस्य फरार मिले।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को बुलाया। टीम ने कमरे और आसपास के हिस्सों से साक्ष्य एकत्र किए। प्रारंभिक जांच में शव के गले पर निशान मिलने की बात सामने आई है, जिससे गला दबाकर हत्या की आशंका और मजबूत होती दिख रही है। पुलिस ने जांच के बाद शव को देर दोपहर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तीन नामजद, तलाश तेज

इस मामले में मृतका के पिता भीम राजभर ने थाने में आवेदन देकर पति उपेंद्र राजभर के साथ-साथ देवर और ननद को भी हत्या का आरोपी बताया है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। घटना के बाद से ससुराल पक्ष का फरार होना भी कई सवाल खड़े करता है।

पुलिस का बयान

अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया गले पर निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका बनती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

समाज के लिए चेतावनी

यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी है कि घरेलू विवाद जब हिंसा का रूप लेते हैं, तो उनके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं। नवविवाहिता की मौत और एक मासूम का अनाथ होना, दोनों ही इस बात की गवाही देते हैं कि रिश्तों में संवाद और संयम की कितनी जरूरत है।

आगे की कार्रवाई

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। गांव में तनाव का माहौल है, वहीं मृतका के मायके पक्ष में मातम पसरा हुआ है। सभी की निगाहें अब पुलिस की जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी हैं, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके और दोषियों को सख्त सजा।

सेवा को बनाया उत्सव : राज परिवार के शिवांग विजय सिंह ने जन्मदिन पर सैकड़ों

केटी न्यूज/डुमरांव

जहां आज के दौर में जन्मदिन के उत्सव होटल और पार्टियों तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं डुमरांव राज परिवार के शिवांग विजय सिंह ने अपने जन्मदिन को सेवा और संवेदना का पर्व बनाकर एक अलग मिसाल पेश की। राजगढ़ स्थित बांके बिहारी मंदिर परिसर में शिवांग ने सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच कंबल एवं खाद्य सामग्री का वितरण कर ठंड से राहत पहुंचाई।

दिवंगत पिता स्व. चंद्रविजय सिंह की स्मृति में युवराज ने इस वर्ष पारंपरिक समारोहों से दूर रहते हुए अपनी माता कनिका सिंह एवं छोटे भाई कुमार समृद्ध विजय सिंह के साथ जरूरतमंदों की सेवा को प्राथमिकता दी। इस मानवीय पहल ने जन्मदिन को एक सामाजिक संदेश में बदल दिया।

नगर के लालगंज कड़वी, चौक रोड, ठठेरी बाजार सहित विभिन्न इलाकों से पहुंचे जरूरतमंदों ने युवराज को आशीर्वाद देते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले ऐतिहासिक राजगढ़ परिसर स्थित बांके बिहारी मंदिर में राज परिवार के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर शिवांग विजय सिंह ने अपने दादा श्रद्धेय महाराज बहादुर कमल सिंह एवं पिता स्व. चंद्रविजय सिंह को स्मरण करते हुए कहा कि डुमरांव राज परिवार की परंपरा हमेशा समाज सेवा से जुड़ी रही है। शिक्षा, चिकित्सा और कृषि के क्षेत्र में राज परिवार का योगदान शाहाबाद क्षेत्र में उल्लेखनीय रहा है और वे इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

कार्यक्रम में समाजसेवी राजीव रंजन सिंह, अम्बरीष पाठक, रिंकू पाण्डेय, मंटू सिंह, अरविंद सिंह, उदय प्रताप सिंह, शिक्षक रविशंकर सिंह, मुमताज अंसारी, आलोक तिवारी, मिन्शु सिंह, बादल सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सीमा पर नाकाम हुई तस्करों की चाल, पशु आहार की ओट में छुपाई गई 1081 लीटर शराब पकड़ी गई

- **रामपुर-देवल अंतरराज्यीय मार्ग पर उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, पिकअप जब्त, चालक फरार**

केटी न्यूज/चौसा

बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी को धता बताने के लिए तस्कर लगातार नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं, लेकिन उत्पाद विभाग की सतर्कता उनके मंसूबों पर लगातार पानी फेर रही है। सोमवार की सुबह रामपुर-देवल अंतरराज्यीय मार्ग पर की गई सघन जांच के दौरान उत्पाद पुलिस ने शराब तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए पशु आहार की आड़ में लाई जा रही भारी मात्रा में शराब जब्त की।

उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से बिहार में शराब की बड़ी खेप प्रवेश करने वाली है। इसके बाद सीमावर्ती इलाके में वाहनों की सघन जांच शुरू की गई। इसी दौरान चेकपोस्ट पर जांच से बचने के प्रयास में एक पिकअप वाहन तेजी से भागने लगा। उत्पाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए निकृष-सगरांव मार्ग पर वाहन का पीछा कर उसे रोक लिया। हालांकि चालक मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा, लेकिन वाहन को जब्त कर लिया गया।

जब पिकअप की तलाशी ली गई तो ऊपर से लदा पशु आहार सामान्य प्रतीत हो रहा था, लेकिन नीचे छिपाकर रखी गई शराब की पेटियां देख अधिकारी भी चौंक गए। जांच में सामने आया कि तस्करों ने पशु आहार को ढाल बनाकर शराब की खेप छुपाई थी, ताकि शक न हो सके।

जब्त पिकअप (संख्या जेएच 10-एएक्स/4348) से 75 पेटी ब्ल्यू लाइम देशी शराब तथा पीएम स्पेशल व्हिस्की की 47 पेटियां बरामद की गईं। कुल मिलाकर लगभग 1081 लीटर शराब जब्त की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश से बिहार के विभिन्न इलाकों में खपाने की तैयारी थी।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व कर रहीं एसआई प्रिया कुमारी ने बताया कि फरार चालक की पहचान की जा रही है और संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमावर्ती मार्गों पर निगरानी और सख्त की जाएगी, ताकि शराब तस्करी के नेटवर्क को जड़ से तोड़ा जा सके।

इस कार्रवाई के बाद इलाके में शराब तस्करों के बीच खलबली मची हुई है और उत्पाद विभाग ने यह साफ संकेत दे दिया है कि किसी भी सूरत में कानून से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मकर संक्रांति से शब-ए-बारात तक शांति और सुरक्षा का खाका तैयार

- **डीएम साहिला की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक, गंगा घाटों से लेकर विसर्जन जुलूस तक सख्त निगरानी के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, गणतंत्र दिवस, बसंत पंचमी (सरस्वती पूजा) एवं शब-ए-बारात के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, सफाई और यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि मकर संक्रांति 14 व 15 जनवरी तथा मौनी अमावस्या 18 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। मौनी अमावस्या के अवसर पर गंगा स्नान को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना रहती है। इसे देखते हुए नगर परिषद बक्सर को गंगा घाटों की विशेष साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, बैरिकेटिंग, खतरनाक घाटों की पहचान तथा गोताखोर व नाविकों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं यातायात प्रभारी को यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना से बचा जा सके। वहीं, जिला गोपनीय शाखा के विशेष कार्य पदाधिकारी को पर्व-त्योहारों के दौरान दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की पर्याप्त प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य समारोह किला मैदान बक्सर में आयोजित किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा पंडालों की स्थापना को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पूजा पंडालों के लिए अनुज्ञप्ति निर्गत की जाए तथा सभी कोचिंग संचालकों के साथ बैठक कर युवाओं को अनुशासित रखने की पहल की जाए। जबरन चंदा वसूली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अश्लीलता पर सख्त रोक लगाने का निर्देश देते हुए इसकी विशेष निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरस्वती पूजा एवं विसर्जन के दौरान डीजे और अश्लील गानों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, सभी थानाध्यक्षों को विसर्जन जुलूस के रूट का पूर्व से भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया। मूर्ति विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाबों का निर्माण सुनिश्चित करने तथा विसर्जन के समय गोताखोर व नाविकों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी संबंधित अंचल अधिकारी व नगर परिषद को सौंपी गई। विद्युत सुरक्षा को लेकर कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल बक्सर को विद्यालयों के आसपास एवं विसर्जन मार्गों में विद्युत तारों की समीक्षा कर समय रहते दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा नगर परिषद बक्सर व डुमरांव क्षेत्र में अधिष्ठापित सभी सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील रखने तथा कब्रिस्तानों के आसपास साफ-सफाई व रोशनी की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि जिले में पर्व-त्योहार शांति, सुरक्षा और सौहार्द के साथ मनाए जा सकें।

चार माह की मजदूरी बकाया, मजदूरों ने किया चौसा थर्मल पॉवर प्लांट में काम ठप

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में निर्माणाधीन 1320 मेगावाट थर्मल पावर परियोजना एक बार फिर मजदूर आंदोलन की वजह से सुर्खियों में है। चार माह से वेतन भुगतान नहीं होने से आक्रोशित मजदूरों ने सोमवार को शांतिपूर्ण तरीके से कार्य बहिष्कार कर दिया। मजदूरों का साफ कहना हैकृजब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं होगा, तब तक काम पर लौटने का सवाल ही नहीं उठता।परियोजना से जुड़ी एसटीपीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी के अधीन कार्यरत ठेकेदार पावर मेक पर मजदूरों ने लगातार

वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। मजदूरों के अनुसार, 25 दिसंबर को उन्हें आश्वासन दिया गया था कि 10 जनवरी तक हर हाल में बकाया वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बावजूद उनके खातों में एक रुपया भी नहीं पहुंचा। इससे मजदूरों में गहरा असंतोष फैल गया और अंततः उन्होंने काम रोकने का निर्णय लिया।

यह कार्य बहिष्कार पूरी तरह शांतिपूर्ण बताया जा रहा है। मजदूर किसी तरह की अव्यवस्था या टकराव से दूर रहते हुए अपने आवासीय कॉलोनियों में रहकर विरोध दर्ज करा रहे हैं। हालांकि काम ठप होने से परियोजना की रफ्तार पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। इस आंदोलन को विद्युत मजदूर कांग्रेस (इंटक) का खुला समर्थन मिला है। संगठन के अध्यक्ष अमरनाथ पाण्डेय उर्फ पप्पु पाण्डेय ने कहा कि मजदूरों की मांग पूरी तरह जायज है। चार-चार महीने तक वेतन नहीं मिलना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने प्रशासन से हस्तक्षेप कर मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और लंबित वेतन का तत्काल भुगतान कराने की मांग की।

मजदूर नेता रामप्रवेश सिंह ने प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मजदूरों को न तो निर्धारित बोर्ड रेट के अनुसार भुगतान मिलता है और न ही मजदूरी समय पर दी जाती है। चार महीने से वेतन अटका होने के कारण मजदूरों के सामने रोजमर्रा के खर्च, किराया, इलाज और बच्चों की पढ़ाई तक का संकट खड़ा हो गया है। कई परिवार कर्ज के सहारे जीवन चलाने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि चौसा थर्मल पावर परियोजना की एक यूनिट (660 मेगावाट) का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि दूसरी यूनिट का निर्माण कार्य जारी है। पावर मेक के अधीन एक हजार से अधिक मजदूर इस परियोजना में कार्यरत हैं। ऐसे में मजदूरों का कार्य बहिष्कार न सिर्फ प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है, बल्कि राज्य की इस महत्वाकांक्षी ऊर्जा परियोजना की समय-सीमा पर भी संकट के संकेत दे रहा है। अब सवाल यह है कि प्रशासन और परियोजना प्रबंधन मजदूरों की पीड़ा को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर वेतन के बिना ही मजदूरों से विकास की उम्मीद की जाती है।

एक नजर

18 लीटर महुआ शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाइच गांव में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई सटीक छापेमारी में पुलिस ने 18 लीटर महुआ शराब बरामद की है। इस मामले में दो कथित शराब तस्करों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जबकि दोनों आरोपी पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गए। थाना सूत्रों के अनुसार, रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि छोटका ढकाइच गांव में लंबे समय से अवैध रूप से महुआ शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में छापेमारी की। तलाशी के दौरान राजू मुसहर और जहरी देवी के घरों से कुल 18 लीटर महुआ शराब बरामद की गई, जिसे विधिवत जब्त कर लिया गया। पुलिस के पहुंचते ही दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि अवैध कारोबार सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय थाना में बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत दोनों फरार तस्करों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार पर किसी भी सूरत में लगाम लगाई जाएगी और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद ग्रामीण इलाकों में महुआ शराब का अवैध धंधा लगातार चुनौती बना हुआ है। पुलिस की यह कार्रवाई न सिर्फ तस्करों के लिए चेतावनी है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि कानून से बच पाना अब आसान नहीं होगा।

बक्सर में एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन, 20 पदों पर होगा ऑन स्पॉट चयन

बक्सर। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय, बक्सर के तत्वावधान में दिनांक 13 जनवरी को एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह जॉब कैम्प संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय कार्यालय परिसर में आयोजित होगा।

इस जॉब कैम्प में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी द्वारा भर्ती की जाएगी। कंपनी द्वारा फील्ड सर्विस ऑफिसर पद के लिए कुल 20 रिक्तियां निकाली गई हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 20 हजार रुपये मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 30 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट या स्नातक रखी गई है।

कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को रहने एवं मेस की सुविधा पर प्रोत्साहन राशि, पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बीमा सुविधा, समय-समय पर पदोन्नति तथा सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। अभ्यर्थियों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर जॉब कैम्प स्थल पर ही ऑन स्पॉट किया जाएगा।

जॉब कैम्प में भाग लेने के लिए जिला नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक निबंधित नहीं हो पाए हैं, वे नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन करा सकते हैं। जॉब कैम्प में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने बॉयोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ निर्धारित तिथि को उपस्थित हो सकते हैं।

नियोजनालय ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी प्रक्रिया में उसकी भूमिका केवल सुविधा प्रदाता की है तथा नियुक्ति की शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे। जॉब कैम्प का संचालन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 03 बजे तक किया जाएगा। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के सभी बेरोजगार युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

एग्रीस्टैक से लेकर मनरेगा तक, डीएम ने कसी प्रशासनिक कमान

समन्वय समिति की बैठक में लंबित मामलों पर सख्ती, 75 दिन से अटके म्यूटेशन एक हफ्ते में निपटाने का आदेश

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले के समग्र विकास, जनहितकारी योजनाओं की प्रगति और अंतर-विभागीय समन्वय को धार देने पर विशेष फोकस रहा। बैठक में सभी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया और डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लंबित मामलों और ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एग्रीस्टैक अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने एग्रीस्टैक अभियान के तहत किसान पंजीकरण में जुटे बीडीओ, अंचलाधिकारी, सर्वे अमीन और कृषि समन्वयकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि 6 से 11 जनवरी तक विशेष अभियान चलाया गया है और यह कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। डीएम ने निर्देश दिया कि किसान पंजीकरण को टॉप प्रायोरिटी पर रखते हुए किसी भी स्तर पर कोताही न हो।

राजस्व मामलों में सख्ती—एक हफ्ते का अल्टीमेटम

राजस्व विभाग की समीक्षा में डीएम ने सभी अंचलाधिकारियों को म्यूटेशन, भूमि विवाद और ई-मैपिंग से जुड़े मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। खास तौर पर 75 दिनों से अधिक समय से लंबित म्यूटेशन मामलों को एक सप्ताह के भीतर निपटाने का स्पष्ट आदेश जारी किया गया।

जन शिकायतों पर फास्ट ट्रैक

सीएम डैशबोर्ड, सीपीग्राम्स, लोक शिकायत और जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए डीएम ने दोनों अनुमंडल पदाधिकारियों को व्यक्तिगत निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। शिकायत निगरानी प्रकोष्ठ को सक्रिय रखते हुए जनता दरबार के मामलों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन करने पर बल दिया गया।

भूमि बैंक और न्यायालयीन मामलों की समीक्षा

भूमि बैंक की तैयारियों को लेकर सभी अंचलाधिकारियों को 15 जनवरी तक रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया। लंबित न्यायालयीन मामलों की भी समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता और सम्मान के साथ सुना जाए—यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मनरेगा में मानव दिवस बढ़ाने का लक्ष्य

मनरेगा की समीक्षा में डीपीओ मनरेगा को ई–केवाईसी की प्रगति तेज करने, पंचायत रोजगार सेवकों की फील्ड उपस्थिति सुनिश्चित करने और वीडियो कॉल के जरिए उपस्थिति सत्यापन के निर्देश दिए गए। मानव दिवस सृजन पर विशेष जोर देते हुए 30 हजार मानव दिवस का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में सिविल सर्जन को प्रखंड स्तरीय अधिकारियों (बीसीएम, बीएचओ, एमओआईसी) की बैठक कर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और आशा कार्यकताओं की फील्ड गतिविधियों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। डीपीओ, आईसीडीएस को सिविल सर्जन के साथ समन्वय कर स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान हेतु शिकायत निगरानी प्रकोष्ठ गठित करने तथा सीडीपीओ को आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया।

उद्योग और पर्यावरण—समन्वय से समाधान

उद्योग विभाग की समीक्षा में बीआईएडीए के उप महाप्रबंधक को ईको–सेंसिटिव जोन, ब्लैकबक संरक्षण और ड्रेनेज जैसी समस्याओं के समाधान के लिए वन विभाग सहित संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

डीएम का दो टूक संदेश

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने दोहराया कि जिले के समग्र विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में अंतर–विभागीय समन्वय अनिवार्य है। सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर और प्रभावी रूप से पहुंच सके।

ऋण बकायेदारों पर सख्ती, 19 से 24 जनवरी तक जिला अल्पसंख्यक कार्यालय में वसूली शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत वितरित ऋण की वसूली को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बकाया ऋण की वसूली में तेजी लाने और ऋणधारकों को भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, बक्सर में 19 जनवरी 2026 से 24 जनवरी 2026 तक विशेष ऋण वसूली शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी विवेक कुमार केशरी ने बताया कि मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एमएमडीएफसी टर्म लोन योजना तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत जिन लाभार्थियों ने समय पर किस्तों का भुगतान नहीं किया है, उन्हें इस शिविर के माध्यम से बकाया ऋण जमा करने का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। वसूली शिविर का मुख्य उद्देश्य ऋणधारकों को समय से भुगतान के लिए प्रेरित करना और अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से बचाना है। विभाग की ओर से सभी बकायेदार ऋणधारकों को नोटिस जारी कर स्पष्ट कर दिया गया है कि निर्धारित तिथि के भीतर ऋण राशि जमा नहीं करने की स्थिति में बकाया पर अतिरिक्त ब्याज और दंडात्मक शुल्क लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, लगातार लापरवाही बरतने वाले ऋणधारकों के विरुद्ध दीवानी एवं फौजदारी कार्रवाई भी की जा सकती है। वसूली शिविर में अनुपस्थित रहने या भुगतान से बचने संबंधी किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी ने सभी संबंधित ऋणधारकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में आयोजित वसूली शिविर में उपस्थित होकर अपने बकाया ऋण का भुगतान सुनिश्चित करें। इससे न केवल अतिरिक्त ब्याज और दंड से बचा जा सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई की आशंका भी समाप्त होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद सख्त कदम उठाए जाएंगे।

चौसा में शरद यादव की पुण्यतिथि पर सामाजिक न्याय की विरासत को किया गया याद

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा रेलवे स्टेशन परिसर स्थित मजदूर यूनियन कार्यालय में सोमवार को समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता एवं सामाजिक न्याय की राजनीति के मजबूत स्तंभ रहे शरद यादव की तृतीय पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन चौसा थर्मल पावर मजदूर यूनियन के तत्वावधान में किया गया, जिसकी अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने की। पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थित लोगों ने शरद यादव के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके राजनीतिक जीवन, संघर्ष और वैचारिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शरद

यादव भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि शरद यादव का संपूर्ण राजनीतिक जीवन वंचित, पिछड़े और हाशिए पर खड़े समाज के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित रहा। छात्र राजनीति से शुरू हुआ उनका सफर जेपी आंदोलन के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचा। वे संसद में निर्भीक, तार्किक और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने वाले नेता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कराने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, जिससे सामाजिक न्याय की राजनीति को नई दिशा मिली। सामाजिक समरसता, आरक्षण, संघीय ढांचे की मजबूती और लोकतंत्र की रक्षा उनके राजनीतिक चिंतन के केंद्र में रहे। वक्ताओं ने कहा कि शरद यादव पद और सत्ता से अधिक सिद्धांतों को महत्व देने वाले नेता थे और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने कभी अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया। इस अवसर पर प्रो. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, रामशीष कुशवाहा, मुन्ना चौधरी, विजय राम, श्रीमन पांडेय, इंजीनियर नितेश कुमार उपाध्याय, डॉ. सुनील यादव, अधिवक्ता राम लखन पाल, गोविंद खरवार, रामप्रवेश राजभर, दीपक कुमार सहित बड़ी संख्या में मजदूर, सामाजिक कार्यकर्ता और सफाई कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने शरद यादव के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

एक सप्ताह में काम पूरा करें एनएचएआई : विधायक

- **डुमरांव विधायक ने स्टेशन रोड के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, अधिकारियों व संवेदक को लगाई फटकार**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्टेशन रोड के निर्माण कार्य में हो रही लगातार देरी को लेकर स्थानीय विधायक राहुल कुमार सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को उन्होंने पुराने नगर परिषद कार्यालय के समीप निमार्णाधीन नाले और सड़क का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और व्यवसायियों से संवाद कर सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के समय बड़ी संख्या में स्थानीय व्यवसायियों और आम नागरिकों ने विधायक को बताया कि सड़क निर्माण कार्य में हो

रही देरी के कारण उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानों तक ग्राहकों की आवाजाही काफी कम हो गई है, जिससे व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सड़क पर फैली धूल-मिट्टी, गड्ढे और अधूरा निर्माण कार्य दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में सड़क पर कीचड़ और जलजमाव की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों का आना-जाना और भी कठिन हो जाता है। स्थानीय लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनने के बाद विधायक राहुल कुमार सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया कि स्टेशन रोड का मरम्मत कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। इसके पश्चात उन्होंने मौके पर मौजूद एनएचएआई के अधिकारियों और निर्माण कार्य कर रही संवेदक एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने कहा कि इस सड़क का मरम्मत कार्य 14 जनवरी तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद अब तक 50 प्रतिशत कार्य भी पूरा नहीं हो पाया है, जो अत्यंत चिंताजनक और लापरवाही को दशार्ता है। विधायक ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर हर हाल में सड़क मरम्मत का कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई, लापरवाही या अनावश्यक देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तय समय सीमा के अंदर सड़क मरम्मत कार्य पूरा नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों और संवेदक एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने यह भी कहा कि स्टेशन रोड डुमरांव की प्रमुख और अत्यंत व्यस्त सड़कों में से एक है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं और यह सड़क रेलवे स्टेशन, बाजार तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ती है। ऐसे में सड़क की जर्जर स्थिति से आम जनता, स्थानीय व्यवसायियों, छात्र-छात्राओं और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण में हो रही देरी के कारण शहर की यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है और आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विधायक के सख्त तेवर और स्पष्ट निर्देश के बाद शहरवासियों और स्थानीय व्यवसायियों में यह उम्मीद जगी है कि अब स्टेशन रोड का मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा होगा। लोगों को विश्वास है कि सड़क के निर्माण कार्य के पूरा होने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि डुमरांव की यातायात व्यवस्था भी जल्द ही पटरी पर लौट आएगी।

बक्सर में जन्म, मृत्यु पंजीकरण को लेकर एक दिवसीय अनुमंडलीय प्रशिक्षण आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को अनुमंडल बक्सर अंतर्गत एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नगर भवन, बक्सर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सह अपर जिला रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) मोती कुमार दिनकर ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण को प्रशासनिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए समयबद्ध, शुद्ध एवं पूर्ण पंजीकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह न केवल नागरिकों के लिए आवश्यक दस्तावेज है, बल्कि सरकारी योजनाओं, जनगणना एवं नीति निर्धारण में भी इसकी अहम भूमिका है। प्रशिक्षण सत्र का संचालन हेमंत कुमार चौबे, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, इटाढ़ी तथा अभय प्रताप सिंह, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी कार्यालय, बक्सर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण का प्रशासनिक ढांचा, रजिस्ट्रीकरण खंड, रजिस्ट्रार की नियुक्ति, अनुज्ञा, विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी के आदेश, विलंब पंजीकरण, त्रुटि सुधार, प्रावधानों के उल्लंघन पर दंड, प्रयुक्त प्रपत्रों की जानकारी दी गई।

इसके साथ ही जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 1969, संशोधित जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 2023, बिहार राज्य जन्म एवं मृत्यु अधिनियम 1999 तथा संशोधित नियमावली 2025 के प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बक्सर जिला अंतर्गत जीवनांक उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। प्रशिक्षण के दौरान पोर्टल पर निबंधन की तकनीकी जानकारी दी गई तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का नियमसंगत समाधान किया गया।

अनुमंडल स्तरीय इस प्रशिक्षण में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, राजपुर, बक्सर सदर एवं इटाढ़ी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, चौसा, बक्सर व इटाढ़ी, सहायक एवं प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, पंचायत सचिव-सह-रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु), कार्यपालक सहायक, डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण
बिहार-डुमरांव-रोहतास
बक्सर, 13 जनवरी 2026
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

रामकृपाल यादव को तेज प्रताप ने दिया 'दही-चूड़ा भोज' का न्योता

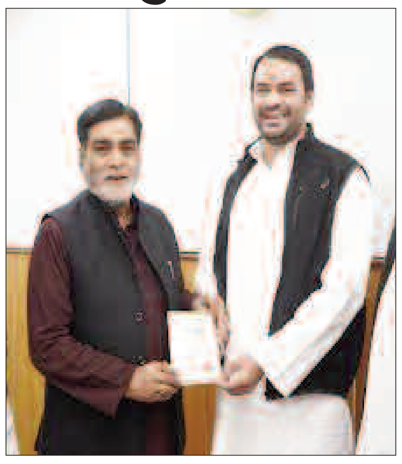

एजेंसी। पटना

जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े लाल तेज प्रताप यादव 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन पटना के 26 एम स्टैंड रोड में दही चूड़ा भोज का आयोजन कर रहे हैं। इस भोज में शामिल होने के लिए वे लगातार आमंत्रण कार्ड बांट रहे हैं। अभी तक कई नेताओं को वो चूड़ा-दही के भोज में आने का न्योता दे चुके हैं। पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश, बिहार के डिप्टी सीएम एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा, लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री संतोष सुमन, बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार, विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी को तेज प्रताप यादव ने अपने सरकारी आवास पर दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र दिया है। इसी क्रम में तेज प्रताप यादव आज बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव से कार्यालय में जाकर मुलाकात की और 14 जनवरी को आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र दिया। इस दौरान तेज प्रताप यादव ने रामकृपाल यादव को नये साल की बधाई और शुभकामनाएं दी। अब कल 13 जनवरी तक का समय बचा हुआ है। कल भी तेज प्रताप यादव निमंत्रण पत्र देने जाएंगे। इससे पहले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव दही चूड़ा भोज का न्योता देने लिए बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के घर पहुंचे थे। इस दौरान तेज प्रताप यादव ने राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा से पर्सनल मोबाइल भी नंबर मांगा था। जिसके बाद विजय कुमार सिन्हा ने अपना मोबाइल नंबर तेज प्रताप को उपलब्ध कराया। बता दें कि तेज प्रताप यादव इस साल अपने आवास पर मकर संक्रांति का चूड़ा दही भोज का आयोजन करने जा रहे हैं। जिसमें शामिल होने के लिए बिहार के सभी प्रमुख नेताओं को चूड़ा-दही भोज में शामिल होने का न्योता दे रहे हैं। तेज प्रताप लगातार नेताओं के घर और ऑफिस जाकर निमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, लोजपा (आर) सुप्रीमो चिराग पासवान सहित अन्य नेताओं से भी तेज प्रताप मिलेंगे और दही-चूड़ा में शामिल होने के लिए निमंत्रण देंगे। आज सोमवार को बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव को न्योता देने तेजप्रताप उनके कार्यालय में पहुंचे थे। इसे लेकर तेज प्रताप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रामकृपाल यादव के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा कि "आज बिहार सरकार में कृषि विभाग मंत्री श्री रामकृपाल यादव जी से कृषि विभाग मंत्रालय पहुंचकर उनसे मुलाकात किया और आगामी 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर 26 ट स्ट्रैंड रोड स्थित अपने सरकारी आवास पर "दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम" हेतु आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया। साथ ही श्री रामकृपाल यादव जी को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना दिया।

पटना गणतंत्र दिवस 2026 : गांधी मैदान में 13 झांकियों के साथ भव्य परेड, पुनौराधाम झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

एजेंसी। पटना

पटना के गांधी मैदान में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य राजकीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। इस बार समारोह में कुल 13 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी, जो बिहार की सांस्कृतिक, धार्मिक, विकासात्मक और सामाजिक उपलब्धियों को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेंगी। सबसे आकर्षक झांकी सीतामढ़ी के मां सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम मंदिर की होगी। इसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर करीब 882 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। यह झांकी राज्य की आध्यात्मिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगी और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने का संदेश देगी। परिवहन विभाग की झांकी ह्यनारी शक्ति, राष्ट्र शक्तिह्न की भावना को जीवंत करेगी। इसमें महिलाएं पिंक बस चलाती हुई नजर आएंगी, जो महिला सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में बिहार सरकार की पहल को दर्शाएगी। कला एवं संस्कृति विभाग की झांकी ह्यपरंपरा से संरक्षण तक, कलाकारों की सतत यात्राह्न बिहार की लोक संस्कृति और कलाकारों के संरक्षण की कहानी पेश करेगी। विकास और आत्मनिर्भर बिहार के विजन को भी झांकियों में दशार्या जाएगा। विधि विभाग स्वच्छ पर्यावरण का संदेश देगा, ऊर्जा विभाग की झांकी हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भरता को दिखाएगी। सहकारिता विभाग की झांकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की सरकारी पहलों को उजागर करेगी। शिक्षा विभाग की झांकी सुरक्षित विद्यालय और उन्नत शिक्षा का संदेश देगी, जबकि उद्योग विभाग ह्यसमृद्ध उद्योग, सशक्त बिहारह्न को प्रदर्शित करेगा। मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की झांकी समाज में नशामुक्ति का संदेश लेकर आएगी। गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल भी गांधी मैदान में शुरू हो चुकी है। कड़ाके की ठंड और घने कुहासे के बीच जवानों में जोश और अनुशासन देखने को मिल रहा है। परेड में बिहार पुलिस की पुरुष और महिला बटालियन के साथ-साथ पैरामिलिट्री फोर्स की 20 टुकड़ियां शामिल होंगी। 24 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। इस बार का समारोह गांधी मैदान को बिहार की संस्कृति, आस्था, विकास और सुरक्षा का भव्य मंच बनाएगा। झांकियों और परेड के माध्यम से राज्य अपनी उपलब्धियों और भविष्य के विजन को पूरे देश के सामने प्रभावी ढंग से पेश करेगा।

सामाजिक समरसता हेतु भोज का किया गया आयोजन

केटी न्यूज । रोहतास

सोमवार को बिक्रमगंज में स्वामी विवेकानंद की जयंती सह राष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर सामाजिक समरसता हेतु भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात आए हुए सभी मुख्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि राजेंद्र जी जो दक्षिण बिहार प्रांत के कार्यवाहक है तथा बाल काल से ही स्वयं सेवक हैं अपने विचार व्यक्त करते हुए संघ के शताब्दी वर्ष की चर्चा की तथा सामाजिक जीवन में पांच प्रेरणा को अपनाने की मार्गदर्शन भी दिया। सनातन धर्म में कहीं भी जाति पाती भेद नहीं है यह बीच के कालखंड में प्रवेश कर गया है जो देश के लिए घातक है। सामाजिक समरसता सहज भाव से आएगी यह कानून से नहीं आएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर कार्यवाह अखिलेश पांडेय तथा संचालन विश्व हिंदी परिषद के संतोष भंडारी ने की जबकि आयोजक मंडल के सदस्य रवी भास्कर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अपने विचार व्यक्त करने वालों में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉक्टर मनीष रंजन, प्रदेश का समिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य प्रदेश का समिति सदस्य डॉक्टर बलिराम मिश्रा

इस कार्यक्रम के अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे उनमें अंकित महाजन ,भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र शाह ,ललन चौरसिया ,संजय तिवारी , बडक बाबा, राजू पांडेय ,विजय पांडेय ,कुश पांडेय संजय तिवारी ,अनिल गुप्ता ,काशीनाथ पासवान इत्यादि कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ संपन्न हुआ ।

जेपीके इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनी स्वामी विवेकानंद की जयंती

केटी न्यूज । रोहतास

स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर जे पी के इंटर कॉलेज बभनौल के मदन मोहन मालवीय सभागार में स्वामी विवेकानंद की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव सह प्राचार्य डॉ प्रकाश चतुर्वेदी ने युवाओं से उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को विश्व पटल पर स्थापित करने वाले युगपुरुष थे। स्वामी विवेकानंद का जीवन हमें आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में उतारें और शिक्षा, चरित्र व सेवा के माध्यम से समाज व राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

उन्होंने आगे कहा कि आज के दौर में स्वामी विवेकानंद के विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्व जैसे उनके अमर संदेश आज के युवाओं को नई दिशा देने में सक्षम हैं। मौक पर शिक्षक विक्की चौबे, अनिल कुमार गिरि,चारोंधाम मिश्रा, लल्लू चौबे, मिथलेश चौधरी, शिवशंकर दुबे, दिनेश पांडेय, छात्रा नर्मता कुमारी, नंदनी कुमारी, क्षमा कुमारी, साक्षी कुमारी, बेबी कुमारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

दरभंगा की महारानी कामसुंदरी देवी का निधन, मिथिला में शोक की लहर

एजेंसी। पटना

बिहार से एक दुखद खबर सामने आई है। दरभंगा राज परिवार की महारानी कामसुंदरी देवी का सोमवार को निधन हो गया। वे लगभग 96 वर्ष की थीं और पिछले कुछ दिनों से गंभीर रूप से बीमार चल रही थीं। महारानी ने अपने राज परिसर स्थित कल्याणी निवास में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर ने न केवल दरभंगा बल्कि पूरे मिथिला क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। लोग महारानी को एक आदरणीय और समाजसेवी महिला के रूप में याद कर रहे हैं। महारानी कामसुंदरी देवी दरभंगा के प्रसिद्ध महाराजा कामेश्वर सिंह की तीसरी और अंतिम पत्नी थीं। उनकी शादी 1940 के दशक में महाराजा कामेश्वर सिंह से हुई थी। महाराजा की पहली दो पत्नियां, महारानी राजलक्ष्मी और महारानी कामेश्वरी प्रिया, पहले ही इस दुनिया से विदा ले चुकी थीं। ऐसे में कामसुंदरी देवी परिवार की वरिष्ठ सदस्य के रूप में जानी जाती थीं और उनके निधन से राज परिवार में गहरी शोक की छाया है। महारानी कामसुंदरी देवी ने अपने जीवन को समाज सेवा और परोपकारी कामों को समर्पित किया। वे केवल राज परिवार की प्रतिष्ठित सदस्य ही नहीं थीं, बल्कि समाज की जरूरतों को समझने और पूरा करने में भी हमेशा आगे रहती थीं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। महारानी ने अपने पति महाराजा कामेश्वर सिंह की स्मृति में ह्लमहाराजाधिराज कामेश्वर सिंह कल्याणी फाउंडेशनह्व की स्थापना की थी। यह फाउंडेशन आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है और मिथिला क्षेत्र के लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को संचालित करता है। महारानी कामसुंदरी देवी का योगदान विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय रहा। फाउंडेशन के माध्यम से उन्होंने छात्रवृत्तियों, स्कूलों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत की, जिससे गरीब और जरूरतमंद छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर मिले। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवा में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कराया, ताकि लोगों को मुफ्त या किफायती स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। महारानी कामसुंदरी देवी समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी निरंतर कार्य करती रहीं। उनके प्रयासों से कई अनाथालय, वृद्धाश्रम और सामाजिक संस्थान संचालित हो रहे हैं, जो आज भी लोगों के लिए मार्गदर्शन और सहायता का स्रोत हैं। उनकी सोच और समाजसेवी दृष्टि ने मिथिला क्षेत्र के लोगों के जीवन में स्थायी प्रभाव डाला है। दरभंगा के लोग महारानी कामसुंदरी देवी को उनकी सादगी, उदारता और समाज सेवा के लिए याद करेंगे। उनके निधन से न केवल राज परिवार बल्कि पूरे मिथिला क्षेत्र में शोक की लहर है। राज परिवार के सदस्यों ने उनकी याद में श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

प्रोग्रेसिव को ऑपरेशन ग्रुप का मकर संक्रांति सह स्नेह मिलन समारोह

केटी न्यूज । रोहतास

प्रखंड के सुकहराडिहरी गांव में फौजी मार्केट में रोहतास प्रोग्रेसिव को - ऑपरेशन ग्रुप का मकर संक्रांति के अवसर पर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया । समारोह का नेतृत्व प्रोग्रेसिव ग्रुप के मुख्य संयोजक अखिलेश कुमार व सेवानिवृत्त फौजी सह सचिव चितरंजन कुमार ने किया । समारोह का शुभारंभ सावित्री बाई फुले के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रंद्धांजलि देकर की गई । समारोह को ग्रुप के अध्यक्ष मनीष कुमार प्रवक्ता अनुभव कुमार, अखिल राज वर्मा , ई . विशाल कुमार कुशवाहा सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया । गौरतलब हो कि रोहतास

प्रोग्रेसिव को- ऑपरेशन ग्रुप का मुख्य उद्देश्य ये है कि किसी भी क्षेत्र में किसी को कोई परेशानी हो तो निःशुल्क सेवा प्रदान करना है । समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका न8भ रहे प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधियों, साहित्यकार , अधिवक्ता व अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत लोग समाजिक चेतना के साथ एक जुट होकर हर किसी को मदद करने की अपील की गई । मौके पर अमन कुमार, प्रदीप कुमार, गुलशन कुमार, रंजीत कुमार, अविनाश कुमार, रवि कुमार,सुनील सिंह,जितेंद्र सिंह, हरीश कुमार सहित कई थे ।

एक नजर

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रवाद और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत थे : डॉ. मनीष

बिक्रमगंज। स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में सोमवार को धूमधाम से स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में धूमधाम से मनाई गयी। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ.मनीष रंजन ने किया। अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर उपस्थित सैकड़ों लोगों ने डॉ. मनीष रंजन के साथ उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के महान विचारों और आदर्शों के प्रेरणा से अवगत कराना है। उक्त मौके पर पूरा महाविद्यालय परिसर "उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" उनके प्रेरणादायक नारों से गूंज उठा। जहां उपस्थित महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी स्वामी विवेकानंद के जीवनी पर चर्चा कर छात्रों ने भक्ति गीतों और देशप्रेम से ओतप्रोत भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी। दूसरी तरफ राजद के वरीय नेता मुन्ना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज के डिजिटल युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वह उनके आत्मविश्वास,साहस और राष्ट्रप्रेम के गुणों को अपने जीवन में अवश्य उतारें। उक्त अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रो० - वीर बहादुर सिंह, उमाशंकर सिंह,बलवंत सिंह, सुनील सिंह,प्रियतम कुमार व जदयू नेता विकास सिंह,ललन चौरसिया,लल्लू सिंह,हरेंद्र हरियाली,गुडु यादव,अभय सिंह, अंकित सिंह,रोहित,मंटू ,राजेश्वर सिंह,परवेज खां,पंकज पटेल,चंद्रेश्वर पांडे, गलू,अरुण सहित समस्त महाविद्यालय कर्मी उपस्थित थे।

काराकाट थाना क्षेत्र में सघन जांच में पकड़ा अवैध हाइवा

रोहतास। रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी (रउद्ब) प्रभात कुमार ने रविवार को काराकाट थाना क्षेत्र के मुंजी पेट्रोल पंप के पास साइड रोड पर खड़ी एक अवैध गिट्टी लदे 18 चक्का हाइवा को पकड़ लिया। जांच में वाहन (रजिस्ट्रेशन नंबर इफ24 ऋक्र2377) पर कोई वैध चालान या कागजात न मिलने पर खनन विभाग को सूचना दी गई। स्थानीय काराकाट पुलिस, अंचलाधिकारी और खनन इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम ने वाहन की तत्काल गहन जांच की। खनन दल-बल के साथ पहुंचकर गिट्टी का सत्यापन किया गया, जिसमें 50,350 किलोग्राम अवैध गिट्टी लदी पाई गई। रउद्ब ने चालक को काराकाट थाने के हवाले कर दिया, जबकि खनन विभाग ने हाइवा को जप्त कर लिया। जप्त वाहन को निजी क्रेन और काराकाट गश्ती दल की मदद से धर्मकांटा पर ले जाकर वजन कराया गया। परिवहन एवं भंडारण निवारण नियमावली 2019 और संशोधित नियमावली 2024 के नियम 56 के उल्लंघन पर खनन विभाग ने ऋक्रफ दर्ज कराई है।

सोमवार और शुक्रवार को विद्युत कार्यालयों में सुनी जाएंगी शिकायतें

रोहतास। विद्युत विभाग के आम लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सप्ताह में दो दिन सोमवार और शुक्रवार को विद्युत कार्यालय में जा सकते हैं। दोनों दिन सरकारी अधिकारी कार्यालय अवधि में उनकी शिकायत सुनेंगे व समाधान का रास्ता निकालेंगे। यह व्यवस्था 19 जनवरी से लागू होगी। सरकार के निर्देश पर प्रत्येक सप्ताह के दो कार्यदिवस (सोमवार एवं शुक्रवार) को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, अवर प्रमंडल व प्रशाखा के सभी कार्यालयों में आमलोग अपनी शिकायतों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी से उनके निर्धारित कार्यस्थल कार्यालय कक्ष में मिलेंगे। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की सोमवार को 12:30 बजे से 14:00 बजे तक व शुक्रवार को 15:00 बजे से 16:30 बजे तक उपभोक्ताओं का बिजली विभाग से सम्बंधित कोई भी शिकायत के लिए सुनवाई की जाएगी। यह पहल राज्य के आम नागरिकों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी और उनका दैनिक जीवन आसान होगा। बिहार राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय तीन के कार्यक्रमों को लागू किया गया है। इसके सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (इज आफ लीविंग) का मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। इसे देखते हुए अब राज्य के आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसे लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

जमुई के मजोस-भंटा मैग्नेटाइट ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया तेज, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये 'रोडशो' का आयोजन

एजेंसी। पटना

बिहार के उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा के निदेर्शानुसार खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार द्वारा जमुई जिलान्तर्गत मजोस एवं भंटा मैग्नेटाइट ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया को लेकर आज दिनांक 12.01.2026 को रोड शो -2 का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये किया गया, जिसमें देशभर से निवेशकों एवं संबधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस रोडशो का उद्देश्य संभावित निवेशकों एवं हित धारकों को खनिज ब्लॉकों से संबंधित तकनीकी, भू-वैज्ञानिक एवं नीलामी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। रोडशो की शुरूआत विभागीय अधिकारियों द्वारा उद्घाटन संबोधन के साथ हुई। इसके पश्चात भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा संबंधित ब्लॉक का भूवैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रस्तुतीकरण किया गया। नीलामी प्रक्रिया एवं बोली प्रणाली से संबंधित जानकारी एमएसटीसी द्वारा साझा की गई, जिससे प्रतिभागियों को ई-नीलामी की प्रक्रिया को समझने में सहायता मिली। विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि ई-नीलामी हेतु निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 16.01.2026 को अपराहन 5:00 बजे तक निर्धारित है। सभी इच्छुक एवं पात्र बोलीदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर नीलामी में बढ़ चढ़कर भाग लें। विभाग के निदेशक श्री मनेश कुमार मीणा ने आश्वस्त किया कि नीलामी प्रक्रिया के दौरान बोलीदाताओं को हर प्रकार के आवश्यक तकनीकी, प्रक्रियात्मक एवं प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में एसबीआईकैप्स (रइक्लअढर) द्वारा वित्तीय एवं निवेश से जुड़े पहलुओं पर प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनके सभी प्रश्नों का समाधान संबंधित विशेषज्ञों द्वारा किया गया। अंत में खान एवं भूतत्व विभाग द्वारा समापन संबोधन के साथ रोडशो का समापन किया गया। खान एवं भूतत्व विभाग द्वारा इस प्रकार के रोडशो से राज्य में खनिज क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी।

आगामी 16 जनवरी से मुख्यमंत्री समृद्धि यात्रा पर निकलेंगे

नीतीश कुमार की नई समृद्धि यात्रा, जिलों के दौरे पर निकलेंगे सीएम, जनता से करेंगे सीधा संवाद

एजेंसी। पटना

बिहार में सुशासन की नींव को और मजबूत करने और विकास कार्यों की रफ्तार नापने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर अपनी चर्चित यात्रा मोड में लौट रहे हैं। आगामी 16 जनवरी से मुख्यमंत्री समृद्धि यात्रा पर निकलेंगे। इस दौरान वे बिहार के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर न केवल सात निश्चय योजनाओं की प्रगति देखेंगे, बल्कि जनता के बीच जाकर उनका फीडबैक भी लेंगे। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यात्रा पर निकलने के संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, मुख्यमंत्री के दौरे के समय संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिवों को स्थल पर उपस्थित रहना होगा। समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों के आला अफसर मौजूद रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में ही विभाग के दूसरे वरिष्ठतम अधिकारी को बैठक में शामिल होने की अनुमति दी गई है। इस संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्पष्ट रूप से सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि वे समय रहते यात्रा की तैयारी पूरी कर लें। उन्होंने समीक्षा बैठक से पहले विभागीय सचिवों को अपने विभागों की योजनाओं की पूर्व समीक्षा करने को कहा है ताकि मुख्यमंत्री के सामने सटीक जानकारी पेश की जा सके। राजनीतिक गलियारों में इस यात्रा को बेहद अहम माना जा रहा है। नीतीश कुमार हमेशा से अपनी यात्राओं के माध्यम से राज्य की नब्ज टटोलने के लिए जाने जाते हैं। 'समृद्धि यात्रा' के जरिए वे प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ-साथ सीधे वोटरों तक अपनी पहुँच बनाना चाहते हैं। अधिकारियों को स्पष्ट कह दिया गया है कि वे पूरी तैयारी के साथ ही बैठकों में आएं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा की शुरूआत 16 जनवरी से पश्चिमी चंपारण से हो रही है। अगले दिन यानी शनिवार को वह पूर्वी चंपारण पहुंचेगे। फिर 19 जनवरी यानी सोमवार को सीतामढ़ी और शिवहर में वह बिहार की जनता से मुलाकात करेंगे। 20 जनवरी यानी मंगलवार को वह गोपालगंज पहुंचेंगे। 21 जनवरी को वह सिवान में जनता के साथ संवाद करेंगे। फिर अगले दिन 22 जनवरी यानी गुरूवार को वह सारण पहुंचेंगे। सारण से निकलने के बाद 23 जनवरी को मुजफ्फरपुर और फिर 24 जनवरी को वैशाली में समृद्धि यात्रा के दौरान बिहार की जनता की समस्या को सुनेंगे।

अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य कोताही पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यात्रा पर निकलने के संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार, मुख्यमंत्री के दौरे के समय संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिवों को स्थल पर उपस्थित रहना होगा। समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों के आला अफसर मौजूद रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में ही विभाग के दूसरे वरिष्ठतम अधिकारी को बैठक में शामिल होने की अनुमति दी गई है। इस संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्पष्ट रूप से सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि वे समय रहते यात्रा की तैयारी पूरी कर लें। उन्होंने समीक्षा बैठक से पहले विभागीय सचिवों को अपने विभागों की योजनाओं की पूर्व समीक्षा करने को कहा है ताकि मुख्यमंत्री के सामने सटीक जानकारी पेश की जा सके।

एक नजर

अग्निकांड में तीन परिवारों के घर जलकर खाक : 11 लाख से अधिक की संपत्ति स्वाहा

बिहार के कटिहार जिले के समेली प्रखंड के मुरादपुर पंचायत नवाबगंज वार्ड नंबर 10 में रविवार दोपहर अचानक आग लगने से तीन परिवारों के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। इस हादसे में लगभग 7 लाख 4 हजार रुपये नकद, सोना-चांदी के गहने समेत कुल 11 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार, अग्निपीडित रंजीत मंडल ने अपनी बेटी रंजना कुमारी की शादी और घर निर्माण के लिए नकद राशि घर में रखी थी। रंजीत मंडल अपने परिवार के साथ पंजाब के चंडीगढ़ में पेंट मजदूरी का काम करते हैं। दुर्भाग्यवश उनकी यह पूरी जमा पूंजी आग की भेंट चढ़ गई। इस अग्निकांड में अन्य पीड़ित परिवारों में मिथिलेश मंडल (पत्नी झ्र संगीता देवी) और संतोष कुमार मंडल (पिता झ्र राजा राम मंडल) शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, आग खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी के कारण लगी, जो देखते ही देखते भीषण रूप ले गई। ग्रामीणों और परिजनों की जद्दोजहद के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक तीनों घर पूरी तरह जल चुके थे। आग की चपेट में खाद्यान्न, कपड़े, बर्तन, नकद राशि और गहने सभी आ गए। इसके बावजूद सूचना मिलने के बावजूद कुसेर्ला से अग्निशमन फायर ब्रिगेड समय पर घटनास्थल पर नहीं पहुंच सकी, जिससे नुकसान और बढ़ गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजा और सहायता की मांग की है।

अचानक भरभराकर नीचे गिरी सामुदायिक भवन की छत, महिला और 3 बच्चे मलबे में दबे

भागलपुर में जहां नाथनगर प्रखंड क्षेत्र के नूरपुर पंचायत स्थित हरिजन टोला में सामुदायिक चौपाल का जर्जर भवन भरभराकर नीचे गिर गया। जिसमें दबने से एक ही परिवार के चार लोग बुरी तरह घायल हो गये। जिन्हें ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया और निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान नूरपुर हरिजन टोला निवासी किशन दास की पत्नी प्रेमलता देवी, दो बेटी 12 वर्षीय फूल कुमारी, 8 वर्षीय मुन्नी कुमारी और बेटा 2 वर्षीय शिवम कुमार के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि जर्जर भवन के छत पर महिला अपने बच्चों के साथ गोबर का उपला बना रही थी तभी भवन ढह गया। उसके मलबे में परिवार के चार सदस्य दब गये। तभी ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाकर चारों को मलबे से बाहर निकाला गया। गंभीर हालत में सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज चल रहा है। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मचा हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद सरकारी अधिकारी और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।

पटना हाईकोर्ट 15 साल के नाबालिग को 2 महीने जेल में रखने पर हुआ सख्त

पटना। पटना हाईकोर्ट ने एक नाबालिग छात्र की पुलिस द्वारा अवैध रूप से गिरफ्तारी और दो माह जेल में रखने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस राजीव रंजन प्रसाद की खंडपीठ ने छात्र के परिजनों द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई करते हुए इस गिरफ्तारी को असंवैधानिक करार दिया और राज्य सरकार को पांच लाख रुपये मुआवजा पीड़ित छात्र को देने का निर्देश दिया। मामला मधेपुरा जिले का है, जहां दो समूहों के बीच हुई मारपीट के सिलसिले में 23 अक्टूबर 2025 को पुलिस ने नाबालिग छात्र को गिरफ्तार किया। एफआईआर में पुलिस ने उसकी उम्र 19 साल बताई थी, जबकि वास्तविकता में वह मात्र 15 साल का था। गिरफ्तारी के बाद छात्र को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। दो महीने तक जेल में रहने के बावजूद उसके खिलाफ न तो कोई ठोस सबूत मिले और न ही चार्जशीट दाखिल की गई। कोर्ट ने कहा कि यह गिरफ्तारी और जेल में रखना संविधान और नाबालिगों के अधिकारों का उल्लंघन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ह्लअदालत संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वह मूक दर्शक नहीं रह सकती। यह स्पष्ट है कि अधिकारियों ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है।

पटना में खौफनाक वारदात! होटल मालिक की पत्नी की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

एजेंसी। पटना

पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरादपुर गांव में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। अपराधियों ने करीब 40 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला का शव उसके पति के होटल से मात्र 500 मीटर की दूरी पर बरामद किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, जानीपुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव में हुई इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह और पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 दीपक कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और जांच का जायजा लिया।मृतक महिला की पहचान जहानाबाद जिले की रहने वाली माला देवी (उम्र करीब 40 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि माला देवी के पति सुबोध शर्मा जानीपुर थाना क्षेत्र के बभनपुरा में एक होटल का संचालन करते हैं। परिजनों के अनुसार, माला देवी रविवार को अपने मायके जहानाबाद से ससुराल बभनपुरा पहुंची थीं। देर रात अज्ञात अपराधियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।पुलिस ने महिला का शव उसके पति के होटल के पीछे करीब 500 मीटर की दूरी से बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला के साथ न तो दुष्कर्म हुआ है और न ही लूटपाट की कोई घटना सामने आई है। हत्या के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है, हालांकि पुलिस पारिवारिक विवाद की संभावना से भी इनकार नहीं कर रही है।

60 वर्षीय महिला का 35 वर्षीय युवक से हुआ इश्क, बस स्टैंड पर हाई वोल्टेज ड्रामा, पति-बेटे ने बीच सड़क कूटा

एजेंसी। पटना

बिहार के बांका जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को चौंका दिया है। यह मामला न केवल सामाजिक दृष्टि से चर्चा का विषय बना बल्कि लोगों की भावनाओं को भी झकझोर कर रख दिया। जिले की एक 60 वर्षीय महिला को अपने से 25 साल छोटे युवक से प्यार हो गया, और इस इश्क का खुमार इतना चढ़ा कि महिला ने घर-बार छोड़कर अपने प्रेमी के साथ फरार होने का साहसिक निर्णय लिया। रविवार, 11 जनवरी को इस जोड़े ने अमरपुर बस स्टैंड पर वापस लौटने के दौरान ऐसा हाई वोल्टेज नजारा पेश किया कि वहां मौजूद हर कोई स्तब्ध रह गया। महिला के पति और बेटे ने अचानक उन्हें पहचान लिया और गुस्से में आकर प्रेमी को पकड़ लिया। युवक को लोगों की भीड़ के सामने जमकर धुनाई की गई, जिससे वहां का माहौल अत्यंत तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार, यह महिला और उसका 35 वर्षीय प्रेमी किसी काम से अमरपुर बस स्टैंड पहुंचे थे। तभी महिला के पति और बेटे ने उन्हें पहचान लिया और सीधे उनका पीछा करते हुए प्रेमी को पकड़ लिया। लोगों की भीड़ बढ़ती देख महिला ने खुद सामने आकर अपनी कहानी बताई, जिसने सभी को चौंका दिया। महिला ने बताया कि उनकी और प्रेमी की बातचीत लगभग 4 महीने पहले फोन के जरिए शुरू हुई थी। प्रेमी, आरा जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के धोबरी गांव निवासी वकील मिश्रा हैं। शुरू में सामान्य बातचीत का सिलसिला धीरे-धीरे प्यार में बदल गया। इसके बाद दोनों ने भागलपुर स्टेशन पर मिलने का निर्णय लिया और वहीं से लुधियाना भाग गए। महिला का दावा है कि लुधियाना में उन्होंने शादी भी कर ली है और वह अपने प्रेमी के साथ अपनी मर्जी से जीवन व्यतीत कर रही हैं।

निजी गाड़ी को कमर्शियल बनाना हुआ आसान, परिवहन विभाग की नई स्कीम लागू

एजेंसी। पटना

बिहार में निजी वाहनों को व्यावसायिक (कमर्शियल) उपयोग में लाने की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक आसान कर दी गई है। इस संबंध में परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई वाहन मालिक अपनी निजी गाड़ी को कमर्शियल या कमर्शियल गाड़ी को निजी उपयोग में बदलना चाहता है, तो उसे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। राज्य में अब निजी वाहनों का प्रयोग व्यवसायिक तौर पर इस्तेमाल करने की प्रक्रिया आसान कर दी गई है। इस मामले को लेकर सूबे के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि वाहन मालिक अगर अपनी निजी गाड़ी को कॉमर्शियल में या कॉमर्शियल गाड़ी को निजी में तब्दील करके इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले फिटनेस सर्टिफिकेट लेना होगा और टैक्स में आने वाले फर्क की रकम जमा करनी होगी। अगर नई दर ज्यादा होगी, तो इस हिसाब से अधिक पैसे देने पड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि छोटी और हल्की कमर्शियल गाड़ियों को निजी में तब्दील करने का अधिकार अब जिला परिवहन पदाधिकारी यानी डीटीओ को दिया गया है। पहले यह जिला पदाधिकारी (डीएम) के अधिकार क्षेत्र में था। डीटीओ यह देखेंगे कि गाड़ी मालिक की आर्थिक स्थिति मजबूत है या नहीं, ताकि वे निजी गाड़ी का रखरखाव सही तरीके से कर सकें। साथ ही कमर्शियल गाड़ी को कम से कम दो साल तक इस्तेमाल में रहना जरूरी होगा और बदलाव से पहले सारे पुराने टैक्स जमा होने चाहिए। मंत्री ने कहा कि कई सरकारी विभाग और निगम निजी नंबर वाली गाड़ियां किराए पर ले रहे थे, जो कानून के खिलाफ है। इससे सड़क सुरक्षा खतरे में पड़ती है और राजस्व भी कम होता है। सभी विभागों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि किराए पर गाड़ी लेते समय उसका रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जरूर जांचें।

पांच दिन तक धूप दिलाएगी ठंड से थोड़ी राहत, इसके बाद बूंदाबांदी के भी आसार

एजेंसी। पटना

पटना समेत कई जिलों में धूप ने ठंड से थोड़ी राहत दी है। यह स्थिति पांच दिनों तक रहेगी। इस कारण न्यूनतम तापमान में भी दो से तीन डिग्री तक वृद्धि होगी। हालांकि, धूप रविवार को भी निकली थी लेकिन ठंड से राहत नहीं मिली थी। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक ठंड समस्तीपुर में पड़ी। यहां का न्यूनतम तापमान चार डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा 15 जिलों का तापमान साढ़े आठ डिग्री से कम रहा। शाम होते ही एक बार फिर कनकनी बढ़ने लगेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में फिलहाल मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा और अगले पांच दिनों तक दिन में खिली धूप निकलने की संभावना है, जबकि सुबह के समय कुहासा धीरे-धीरे कम होगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 17 जनवरी के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इसके बाद ठंड बढ़ेगी। आसमान में बादल भी छाए रहने के आसार है। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हो सकती है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य के उत्तरी हिस्से के कुछ स्थानों पर कोल्ड-डे जैसी स्थिति बनने की संभावना है। वहीं उत्तर और दक्षिण-पूर्वी जिलों में घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन सुबह-शाम ठंड का असर बरकरार रहेगा। अगले सात दिनों तक बिहार के कई हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

पटना में 16 जनवरी तक कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के पूवार्नुमान के अनुसार राजधानी पटना में 12 से 16 जनवरी तक सुबह के समय कोहरे का असर बना रहेगा। 12 और 13 जनवरी को सुबह हल्का कोहरा छाने के आसार हैं, जबकि 14 और 15 जनवरी को सुबह मध्यम कोहरा देखने को मिल सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से घटकर 19 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है, वहीं न्यूनतम तापमान 11 डिग्री से गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक ठंडी हवाओं के कारण सुबह और देर रात ठंड का एहसास बना रहेगा, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

कई जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पूर्वी बिहार के कई जिलों में अगले कुछ घंटों के दौरान घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। सुबह 6:43 बजे जारी पहली चेतावनी में मधेपुरा, मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया और कटिहार जिलों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा या कुहासा छाए रहने की आशंका जताई गई थी, जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया था।

पटना में महिला का शव बरामद गोली लगने से मौत की आशंका

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरादपुर इलाके में एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना 11झ्र 12 जनवरी 2026 की देर रात्रि की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने जब सड़क किनारे एक महिला का शव देखा तो तुरंत इसकी सूचना जानीपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए सबसे पहले इलाके को घेराबंदी में लिया, ताकि साक्ष्य सुरक्षित रखे जा सकें। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से जरूरी नमूने एकत्र किए। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जांच में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने का आदेश दिया।